आज का पुरुषार्थ 28 July 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" सम्पूर्णता के राही है हम .. अपने सम्पूर्ण आदि स्वरुप और पुज्य स्वरुप की चिंतन में आज मग्न रहेंगे "*

हम सभी महान आत्मायें, भाग्यवान आत्मायें अब ज्ञान के प्रकाश में आ गये है। हमारे चित्त का अंधकार दूर हो गया।

अपने से पुछे ... " **क्या कुछ जानना शेष बचा है?** "

सचमुच, जो ज्ञान के बहुत ही अच्छी स्टाडि करते है, जो ईश्वरीय महावाक्य मुरलियों से बहुत प्यार रखते है वह ज्ञान के प्रकाश में आ जाते है।

ज्ञान सागर हमें ज्ञान के प्रकाश में ले आये है। जरा अपने को प्रकाशित हुआ देखें।

युगों से लोग इन्तजार करते थे ... " **हे प्रभु! हमें enlighten करो .. हमें प्रकाशित करो .. हमारे अज्ञान अंधकार को दूर करो** "

वेदों में यह सब मन्त्रों जिसे लोग गाते रहे, परन्तु अज्ञान अंधकार बढ़ता ही गया था।

अब जब हम प्रकाश में आ गये, तो कहीं हम ठोकर नहीं खा सकते। हम व्यर्थ के अंधकार में स्वयं को नहीं धकेल सकते।

व्यर्थ भी एक बूरा **अंधकार** है। हम परेशानियों में, चिंताओं में जीवन के अनमोल क्षण व्यर्थ नहीं गँवा सकते।

हम ज्ञान के प्रकाश में है। हमारे चारों ओर प्रकाश ही प्रकाश है। हमारे **विचारों** में प्रकाश, हमारे पास **प्युरीटी** का प्रकाश, **श्रेष्ठ कर्मों** का प्रकाश हमें प्रकाशित कर रहे है।

तो ज्ञान चिंतन भी बढ़ायेंगे और ज्ञान को एक बल के रूप में भी अनुभव करेंगे।

ज्ञान चिंतन हमारे विचारों को शुद्ध करता है। और यह चिंतन ही हमें बल प्रदान करता है। **ज्ञान** की एक एक बात हमारे लिए शक्ति बन जाती है।

इसके लिए रोज़ कुछ ईश्वरीय **महावाक्य** अध्ययन करके कुछ लिखना। चाहे उनपर, चाहे अपने अंदर जो विचार आ रहे हो ...

चाहे आप पाँच लाइन ही लिखे, यह बहुत आवश्यक है। सोते समय लिखेंगे, तो बहुत अच्छा। सवेरे विचार चलते हो, तब लिखें।

किसी को मुरली के बाद सुंदर विचार चलते है तो किसी को योग के बाद विचारों का सुन्दर प्रवाह आता है।

जब देखें मेरे मन में सुंदर विचार चलने लगे है तब लिखें ...

तो एक आदत बना ले कि उन सुंदर विचारों को नोट करे। यह विचार आपके लिए बहुत बड़ी सम्पत्ति होंगी। यह वरदान रुप में रहकर आपको मदद करेंगे।

तो रोज़ नियम बना ले ... " ***हमें आधा घंटा ईश्वरीय ज्ञान की स्टाडि में अवश्य देना है***"

मुरली रोज़ सुनना वह एक बात। लेकिन उसके अतिरिक्त आधा घंटा देना।

अव्यक्त मुरलियों में ज्ञान का भण्डार है। ऐसा भण्डार संसार में अन्यत्र कहीं भी नहीं है।

सारे संसार का सभी सबजेक्ट्स का **ज्ञान** एक तरफ रख दो और यह अव्यक्त मुरलियों का ज्ञान दुसरी तरफ, तो भी यह पल्ला बहुत भारी रहेगा।

तो हम अपने ज्ञान के प्रकाश को इस तरह बहुत अच्छी तरह बढ़ाते रहे। हमें लगे, हमारा ज्ञान बढ़ रहा है। ज्ञान का बल बढ़ रहा है।

और आज सारा दिन अपने दो स्वरुपों का विशेष अभ्यास करेंगे।

" अपना आदि स्वरुप .. देव स्वरुप .. सामने खड़ा है "

... उसको खड़ा हुआ देखेंगे हर घंटे में एक बार। और अपने को यह गुड फीलिंग देंगे ...

" यह मैं हूँ .. सम्पूर्ण पवित्र .. सर्व गुण सम्पन्न .. समृद्ध .. मुझसे चारों ओर प्रकाश फैल रहा है .. चेहरे पर दिव्य तेज .. कांचन काया है "

फिर देखेंगे अपना पुज्य स्वरुप →

चाहे **विष्णु** स्वरुप .. चाहे **गणेश** का स्वरुप .. चाहे अष्टभुजा धारी **देवी** शीतला

सामने देखकर फीलिंग देंगे ...

" यह मैं हूँ "

और फिर कैसे है यह स्वरुप वह चिंतन करेंगे ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org